वार्तालाप-597, दंडा पार्टी के साथ, त्रिशूली नदी के पास (नेपाल), दिनांक 06.07.08
Disc.CD No.597, dated 06.07.08 with Danda Party near river Trishuli (Nepal)
Extracts-Part-1

समयः 21.00-21.32

जिज्ञासुः बाबा, शास्त्रों में दिखाते हैं ना कि गोप-गोपियों ने अतीन्द्रिय सुख अनुभव किया था। वो अनुभव हम नहीं कर पायेंगे क्या?

बाबाः क्यों नहीं करेंगे?

जिज्ञासुः कैसे करेंगे?

बाबाः अंत समय का गायन है जब संपूर्ण स्टेज बने। अभी तो 63 जन्मों के कर्म कूट रहे हैं।

जिज्ञासुः अभी नहीं कर पायेंगे?

बाबाः अभी 63 जनमों के कर्म कूट रहे हैं कि नहीं कूट रहे हैं?

जिज्ञासुः कूट रहे हैं।

बाबाः अवस्था नीचे ऊपर होती है या नहीं होती है?

जिज्ञासुः होती है।

बाबाः अतीन्द्रिय सुख मिलेगा तो खतम थोड़ेही होगा? वो तो अविनाशी हो जाएगा।

Time: 21.00-21.32
Student: Baba, it is shown in the scriptures that *Gop-Gopis*[1] experienced super sensuous joy. Can't we experience that?
Baba: Why not?
Student: How will we [experience it]?
Baba: It is the glory of the end when you achieve the complete stage. Now you are clearing the karmic accounts of 63 births.
Student: Will we not be able to experience it now?
Baba: You are clearing the karmic accounts of 63 births now or not?
Student: We are.
Baba: Does the stage go up and down or not?
Student: It does.
Baba: When you experience super sensuous joy, it will not end. That will become imperishable.

समयः 21.35-24.20

जिज्ञासुः बाबा काली को जो बलि देते हैं वो क्यों देते हैं?

बाबाः काली सिर्फ अकेली बलि नहीं लेती है। शिवबाबा भी बलि लेते हैं। शिवबाबा के ऊपर भी अर्पण होते हैं, महाकाली के ऊपर भी अर्पण होते हैं। अभी महाकाली निकलने वाली है। ढ़ेर सारे सरेण्डर हो जाएंगे उसके पीछे। जैसे शिवबाबा के पीछे सरेन्डर होते हैं वैसे काली के पीछे भी सरेण्डर होंगे। लेकिन मुरली में एक बात बोली है। देवी के पुजारी होते हैं रावण सम्प्रदाय।

[1] Cow herds and herd girls

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

क्या? ये नहीं बोला शिवबाबा के पुजारी रावण संप्रदाय होते हैं। या देवताओं के पुजारी रावण संप्रदाय होते हैं। लेकिन देवी के पुजारी रावण संप्रदाय होते हैं। जो पुजारी बनेंगे वो ही तो सरेण्डर होंगे। दूसरे तो नहीं सरेन्डर होंगे।

और देवी भी तो दो तरह की है - एक मांसाहारी, एक शाकाहारी। बलि कौनसी लेती है? शाकाहारी बलि लेती है या मांसाहारी बलि लेती है? (जिज्ञासु - मांसाहारी) मांसाहारी बलि लेती है। महाकाली का मन्दिर बना हुआ है कलकत्ते में। बकरे-अकरे कटते रहते हैं।

Time: 21.35-24.20
Student: Baba, why is Kali offered sacrifices?
Baba: It is not Kali alone who takes sacrifices. Shivbaba also takes sacrifices. People sacrifice themselves on Shivbaba and people sacrifice themselves on Mahakali as well. Now Mahakali is going to emerge. Many will *surrender* themselves to her. Just as people *surrender* themselves to Shivbaba they will *surrender* to Kali as well. But one thing has been said in murli, the worshippers of *devi* (female deity) are members of Ravan's community. What? It has not been said that Shivbaba's worshippers are members of Ravan's community or that the worshippers of male deities are members of Ravan's community. But the worshippers of *devi* are members of Ravan's community. Only those who become worshippers will *surrender* [themselves to her]. Others will certainly not *surrender* themselves.
And *devis* too are of two kinds – one is non-vegetarian (*maansahari*), one is vegetarian (*shakahari*). Which one takes sacrifice? Does the vegetarian one take sacrifice or does the non-vegetarian one take sacrifice? (Student: The non-vegetarian one.) The non-vegetarian one takes sacrifice. The temple of Mahakali has been built in Calcutta. Goats etc. are often sacrificed there.

दूसरा जिज्ञासुः बकरे कटने वाले के लिए बाबा क्या कर्म की गुह्य गती होगी?
बाबाः मैं-मैं-मैं जो करते हैं उनकी बलि लेती है। उनको अहंकार रहता है कि हमने ये किया, हमने ये किया, हमने ये किया किया कुछ भी नहीं। अब ब्रह्माकुमारों को कितना अहंकार है कि हम नई दुनिया बनाएंगे। लेकिन नई दुनिया बना रहे हैं कि और ही पुरानी दुनिया होती जा रही है?
दूसरा जिज्ञासुः भक्ति में जाकरके बाबा स्थूल में बकरा काटते हैं ना, उनके लिए कर्मों की क्या गती होगी?
बाबाः भक्तिमार्ग में अनुकरण करते हैं हमारा।
दूसरा जिज्ञासुः तो उनके लिए पाप का क्या हिसाब-किताब है?
बाबाः वो तो बकरा काटते हैं - एक काटते हैं। यहाँ रोज़ मछलियाँ काटी जाती हैं सागर में से कितनी अरबों की तादाद में। फिर? ये तो मनुष्य भोजन करता है। अगर आज मांस का भोजन खतम कर दिया जाए तो आधा संसार भूख मर जाएगा।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Second student: Baba, what are the deep dynamics of *karma* of the goat that is cut?
Baba: She takes the sacrifice of only those who say '*mai, mai, mai*' (I, I, I). They have ego, I did this, I did this, I did this [but] they did not do anything (any service). Well, Brahma kumaris have so much ego that they will establish the new world. But are they making a new world or is the world continuing to become old?
Second student: Baba, they physically cut goats in the path of *bhakti*, don't they? What are the dynamics of their *karma*?
Baba: They follow us in the path of *bhakti*.
Second student: So, what is the karmic account of sins for them?
Baba: They cut goats – They cut one [goat]. Here millions of fishes from the ocean are cut every day. Then? It is the food for the human beings. If the non-vegetarian food is banned today, then half the world will die of hunger.

दूसरा जिज्ञासुः तो इनके खाते में पाप का हिसाब-किताब नहीं बनता?
बाबाः थोड़ा। थोड़ा बनता है। मनुष्य मन-बुद्धि वाला प्राणी है। उसको मारने का ज्यादा पाप बनता है। मनुष्य दुनिया के वायुमण्डल को जेंज कर सकता है। मनुष्य के चेंज होने से सारी दुनिया चेंज हो जाती है। तो मनुष्य की वैल्यू ज्यादा है। जानवरों की वैल्यू कम है। वैल्यू के हिसाब से पाप-पुण्य भी चढ़ता है।

Second student: So, do they not accumulate sins in their karmic account?
Baba: A little. They accumulate a little [sin]. Human being is a creature with mind and intellect. Killing him will cause accumulation of more sins. Human being can *change* the atmosphere of the world. When the human being changes the entire world changes. So, there is more *value* of the human being. There is less *value* of animals. Sins and merits are accumulated on the basis of the *value* [of the creatures].

समयः 24.22-25.18
जिज्ञासुः दक्ष प्रजापति को बकरे का सर दिखाते हैं वो भी उल्टा। वो किसकी यादगार है?
बाबाः बकरे की यादगार। जब ज्यादा देह भान बढ़ जाता है, देह अहंकार बढ़ जाता है कि हम ही सब कुछ हैं। बकरे की दाढ़ी लगा दी है उनको यादगार में।
जिज्ञासुः उलटा क्यों?
बाबाः उल्टा?
जिज्ञासुः पीछे की तरफ।
दूसरा जिज्ञासुः एक कथा है उसमें ऐसे बताया हुआ है कि उन्होंने शिव की निन्दा की थी, तो उनको...
बाबाः जब ज्यादा अहंकार बढ़ेगा तो नास्तिकपना आएगा। नास्तिकपना आएगा तो अपने को ही भगवान समझने लगेंगे। शंकर की निन्दा की तो दूसरा बकरे का सर काट करके लगा दिया। अब बकरे का सिर थोड़ेही काट के लगा दिया। वास्तव में तो देह अभिमान की बात है।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Time: 24.22-25.18
Student: Daksh Prajapati is shown to have a goat's head, back to front. Whose memorial is it?
Baba: The memorial of a goat. When body consciousness increases a lot, when the ego of body increases that, 'I alone am everything'; [so] he has been shown to have a goat's beard in memorial.
Student: Why is it shown back to front?
Baba: Back to front?
Student: It is shown to the back side.
Second student: There is a story in it, it is said that he had defamed Shiva, so...
Baba: When ego increases a lot, atheism will appear. When atheism appears, he will start considering himself to be God. He defamed Shankar, so a goat's head was cut and attached [to his torso]. Well, a goat's head was not cut and attached [to him] in reality. Actually it is about body consciousness.

समयः 27.10-28.20

जिज्ञासुः बाबा, बेसिक में दीदी बोलती है बाबा ने मुरलियों में बोला है मम्मा अभी जिस शरीर पर बैठी है, जिस शरीर में मम्मा जन्म ली है ना अभी, मम्मा ओम राधे सरस्वती।

बाबाः कहाँ जन्म लिया है?

जिज्ञासुः वो बोल रहे हैं नेपाल में।

बाबाः एक जगह बोलते हैं नेपाल में जन्म लिया। दूसरी तरफ कहते हैं मम्मा अभी दिल्ली में सेवा कर रही है। तीसरी जगह बोल रहे हैं मम्मा अभी लंदन में है। तो आखिर है कहाँ?

Time: 27.10-28.20
Student: Baba, *didi* (BK teacher) in basic [knowledge] says that Baba has said in murlis that the body in which Mamma is sitting now, the body in which Mamma is born, Mamma, Om Radhe Saraswati…
Baba: Where is she born?
Student: She says, she is born in Nepal.
Baba: On the one hand they say that she is born in Nepal. On the other hand they say Mamma is now serving in Delhi. The third time they say that Mamma is now in London. So, ultimately where is she?

जिज्ञासुः अभी बोल रही है वो जिस तन में वो है ना उसी तन से कृष्ण को जन्म देकर अपना शरीर छोड़कर राधे बनने चली जाती है। मुरली में बोला है बाबा, एसे बोलती है।

बाबाः मुरली में बोला है तो मुरली दिखाओ। ऐसे थोडे ही मान लेंगे।

जिज्ञासुः बोलती है हमने बहुत आगे पढ़ा है।

बाबाः बहुत आगे पढ़ा है तो बिना मुरली के मानेंगे कौन? बाबा ने तो कहा बुद्धिमान बच्चे बाप के...

दूसरा जिज्ञासुः वो कहते हैं मैंने माउँट आबू में क्लास में सुना है।

बाबाः तो क्लास में सुनी-सुनाई बातों मे कौन विश्वास करता है। भारतवासियों ने सुनी सुनाई बातों से दुर्गति पा ली। अब हमें दुर्गति को थोड़े ही पाना है? हमें प्रूफ दिखाओ।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

दूसरा जिज्ञासुः बोलती है माउंट आबू में क्लास में सुना था।

बाबाः वो क्लास में सुना था। आपने सुना होगा। आपके कानों ने झूठी बात सुन ली तो हम भी थोड़ेही मान लेंगे।

दूसरा जिज्ञासुः वो हमने बोला हम भी चार साल रहे माउंट आबू में ऐसा क्लास कभी नहीं सुना। आपने कब सुनी ऐसी बात ऐसा बोलने से कोई जवाब नहीं देती है।

Student: Now she says that the body in which she (Mamma) is present, she gives birth to Krishna through that body and then leaves her body to become Radha. She says that it is said like this in the murli.
Baba: If it is said in a murli show us the murli. We will not believe it simply.
Student: She says that she had read it long ago.
Baba: If she has read it long ago, then who will believe it without the murli? Baba has said that the intelligent children of the Father...
Second student: She says that she heard it in a *class* at Mount Abu.
Baba: If she heard it in a *class*, who will believe in hearsays! *Bharatwasis*[2] underwent degradation listening to hearsays. We don't want to undergo degradation. Show us the *proof.*
Second student: She says that she heard it in a *class* at Mount Abu.
Baba: She had heard in a *class*. [Tell her:] You must have heard it. Your ears heard false things; so, we too will not believe it.
Second student: I told her, I also have been at Mount Abu for four years. I never heard such a *class*. When I asked her, 'when did you hear about it', she did not answer... (to be continued)

Extracts-Part-2

समयः 28.25-31.30

जिज्ञासुः बाबा, विष्णु को चार भुजाएं दिखाते हैं ना। वो 4 भुजाएं किसकी प्रतीक हैं?

बाबाः यज्ञ के आदि में मम्मा-बाबा को भी पढ़ाई पढ़ाने वाला कोई था? कौन थे? मम्मा और बाबा त्रिमूर्ति में आते हैं कि नहीं आते हैं?

दूसरा जिज्ञासुः नहीं आते।

बाबाः नहीं आते हैं। तो जो त्रिमूर्ति में आते हैं वो आत्माएं कौन थी यज्ञ के आदि में? वो ही तीन आत्माएं और बाद में मम्मा-बाबा। ये पांच आत्माएं हो गईं। उनमें चार भुजाएं हो गईं और चार भुजाओं को चलाने वाला एक राम वाली आत्मा हो गई। इस तरह पांच ब्रह्मा के मुख दिखाए जाते हैं। एक मुख काट दिया गया है। काट दिया है माने देहभान अलग हो गया। बाकी ब्रह्मा की पूजा होती नहीं है। ब्रह्मा के मन्दिर बनते हैं? मूर्तियाँ बनती हैं? नहीं बनतीं। क्योंकि ब्रह्मा नाम से ही जाहिर होता है कि वो दाढ़ी-मूँछ वाला है, विकारी है, सिद्धि को प्राप्त नहीं हुआ है। तो ब्रह्मा जो सर कट गया वो तो संपन्न बन गया। और बाकी ब्रह्मा की पूजा नहीं होती। तो ये पांच आत्माएं हैं। मम्मा-बाबा और उनको जन्म देने वाले यज्ञ के आदि के दो, और एक और माता है, जो यज्ञ के आदि में राधे का पार्ट बजाने वाली थी। अंत में लक्ष्मी बनती है।

[2] The residents of India

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Time: 28.25-31.30
Student: Baba, Vishnu is shown to have four arms, isn't he? Whom do those four arms represent?
Baba: Was there anyone who taught knowledge even to Mamma and Baba in the beginning of the *yagya*? Who were they? Are Mamma and Baba included in *Trimurty* or not?
Second student: They aren't.
Baba: They aren't. So, which are the souls of the beginning of the *yagya* included in *Trimurty*? The same three souls and later Mamma and Baba; these are the five souls. Among them four are arms [of Vishnu] and the controller of those four arms is the soul of Ram. In this way, five heads of Brahma are shown. One head has been cut. It has been cut means the body consciousness has separated. Brahma is not worshipped. Are temples of Brahma built? Are idols of Brahma sculpted? They aren't. It is because the name Brahma itself proves that he has beard and moustache, he is vicious, he has not achieved success. So, the head of Brahma that was cut became perfect. And the remaining Brahmas are not worshipped. So, these are the five souls. Mamma, Baba and the two [souls] from the beginning of the *yagya* who gave birth to them (Mamma-Baba) and there is one more mother, she played the part of Radhe in the beginning of the *yagya.* She becomes Lakshmi in the end.

जिज्ञासुः विष्णु पांच आत्माओं का यादगार है ।
बाबाः चार भुजाएँ हो गईं और चार भुजाओं को चलाने वाला भी तो कोई होगा। वो कौन?
जिज्ञासुः राम वाली आत्मा।
बाबाः राम वाली आत्मा। मनन-चिंतन-मंथन पांचों ब्रह्मा में से किसने किया? राम वाली आत्मा। मनन-चिंतन-मंथन करती है मुरली का। जो अपनी घोटे उसी को नशा चढ़ता है। उसी को प्राप्ति सबसे जास्ती होती है।
जिज्ञासुः भुजा नीचे ऊपर दिखाते हैं ना बाबा। विष्णु का भुजा ऊपर नीचे दिखाते हैं। ऊपर नीचे का मतलब क्या है?
बाबाः उनकी ऊँची स्टेज है, उनकी नीची स्टेज है। शंख और चक्र ऊपर दिखात हैं। शंख है चारों तरफ दुनिया में आवाज़ फैलाने की बात। माना वैष्णवी देवी जब निकलेगी, विजय माला की हैड जब निकलेगी चारों तरफ दुनिया में आवाज़ फैल जाएगी ईश्वरीय कर्त्तव्य की। ऐसे ही चक्र। मम्मा स्वदर्शन चक्र घुमाने वाली थी। ब्रह्मा बाबा गदा चलाते थे। विकारों को सीधा गदा से मारते थे। बुद्धि उनकी ज्यादा काम नहीं करती थी। ऐसे ही कमल फूल। कमल फूल जगदम्बा की यादगार है। कीचड़ की दुनिया में रहना और फिर भी पवित्र मन-बुद्धि से रहना।

Student: Vishnu is the memorial of five souls.
Baba: Four [souls] are arms and there will be someone who operates those arms. Who is that?
Student: The soul of Ram.
Baba: The soul of Ram. Which Brahma among the five Brahmas did thinking and churning? The soul of Ram thinks and churns the murlis. The one who churns [the murlis] himself becomes intoxicated. He alone gets maximum attainment.
Student: Baba, the arms are shown to be downwards and upwards, aren't they? Vishnu's arms are shown upwards and downwards. What is meant by upward and downward [arms]?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Baba: Their *stage* (the stage of upward arms) is high and their *stage* (the stage of downward arms) is low. *Shankh* (conch) and *chakra* (discus) are shown above. *Shankh* represents spreading of the sound [of knowledge] everywhere in the world. It means that when Vaishnavi *devi* comes [in advance knowledge], when the *head* of *Vijaymala* comes, then the sound of God's task will spread everywhere in the world. Similarly, in the case of *chakra*; Mamma used to rotate the *swadarshan chakra*[3]. Brahma Baba used *gadaa* (mace). He used to hit vices directly with mace. His intellect did not used to work more. Similarly, in the case of lotus; lotus is the memorial of Jagdamba. To live in the world of mud and still remain pure through the mind and intellect.

समयः 31.33-32.31

जिज्ञासुः बाबा, शास्त्रों में दिखाते हैं ना अष्टावक्र, टेढ़ी-मेढ़ी आत्मा। इसका क्या अर्थ है बाबा?

बाबाः आठ नारायण है ना। नारायण कितने हैं? 8 नारायण हैं। और कितने धर्मों से कनेक्टेड हैं? वो 8 नारायण कितने धर्मों से कनेक्टेड हैं? 8 ही धर्म हैं। सतयुग में 8 नारायण होते हैं ना। तो 8 नारायणों में पहला नारायण तो सूर्यवंशी देवता हो गया। दूसरा नारायण इस्लाम धर्म में कनवर्ट हो जाता है। तीसरा क्रिश्चियन धर्म में कन्वर्ट हो जाता है। चौथा बौद्धी धर्म में कनवर्ट हो जाता है। ऐसे आठ नारायण हैं ना। तो 8 जगहों से टेढ़े हो जाते हैं। असली तो वास्तव में संगमयुगी (नारायण) है। वो अष्टावक्र के रूप में दिखाते हैं।

Time: 31.33-32.31
Student: Baba, Ashtavakra is shown in the scriptures, a soul [with] crooked [body]. What does it mean Baba?
Baba: There are eight Narayans, aren't they? How many Narayans are there? There are eight Narayans. And with how many religions are they *connected*? With how many religions are those eight Narayans *connected*? There are eight religions. There are eight Narayans in the Golden Age, aren't there? So, the first Narayan among the eight Narayans is a *Suryavanshi* deity. Second Narayan converts to Islam religion. Third Narayan converts to Christian religion. Fourth Narayan converts to Buddhist religion. There are eight such Narayans, aren't there? So, [on the whole] they become crooked from eight sides. Actually, the true one is the Confluence Age (Narayan). They show him in the form of Ashtavakra.

समयः 32.35-34.00

जिज्ञासुः बाबा, दादी-दीदी बोलती हैं वतन में जाकर बाबा से हम संदेश ले आए। तो क्या लेकर सुनाते हैं? कहाँ से ले आते हैं?

बाबाः जैसे कोई व्यक्ति जाता है ना स्वप्न में, ऐसे ही वो साक्षात्कार में जाते हैं। बातें झूठी नहीं हैं। लेकिन कोई-कोई संदेशियाँ झूठ भी सुनाती हैं। गुल्ज़ार दादी के द्वारा जो संदेश आते हैं वो झूठे नहीं हैं। क्या? उनका अर्थ होता है। जैसे स्वप्न में... कोई स्वप्न देखता है, सूक्ष्म शरीर से। ऐसे ही वो जागृत अवस्था में ध्यान में चली जाती है। साक्षात्कार से।

दूसरा जिज्ञासुः और जो भोग लगाते हैं?

[3] The discus of self realization

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबाः वो ही साक्षात्कार में जाते हैं। भोग लगाते हैं तो कहाँ जाते हैं? सूक्ष्मवतन में जाते हैं।
तीसरा जिज्ञासुः बाबा हम जो सपने में देखते हैं वो सपने को कैसे लिया जा सकता हैं?
बाबाः सूक्ष्म शरीर इधर-उधर घूमता नहीं है? शरीर यहीं पड़ा रहता है और सूक्ष्म मन-बुद्धि जो है चारों तरफ घूमती नहीं है? जैसे सूक्ष्म मन-बुद्धि चारों तरफ स्वप्न में घूमती है, ऐसे साक्षात्कार में घूमते हैं। शरीर जहाँ का तहाँ स्थिर बना रहता है।

Time: 32.35-34.00
Student: Baba, *dadis* and *didis* say that they have brought message from Baba going to subtle world. So, what do they narrate? From where do they bring it?
Baba: Just as a person dreams, similarly they have visions. The topics are not false but some *sandeshis* (messengers) speak lies as well. The messages received through Dadi Gulzar are not false. What? They are meaningful. For example, a person has dreams... [Like] someone sees dreams through the subtle body. Similarly, she goes into trance in a conscious stage through vision.
Second student: And what about the *bhog* that is offered?
Baba: It is same that they have visions. When they offer *bhog*, where do they go? They go to the subtle world.
Third Student: Baba, what we see in dreams, how can we take it?
Baba: Doesn't the subtle body travel here and there? The [physical] body lies here, and doesn't the subtle mind and intellect travel everywhere? Just as the subtle mind and intellect travels everywhere, they travel in visions. The body remains where it was.

समयः 34.22-35.30
जिज्ञासुः बाबा, मधुबन में जो भोग लगाते हैं ना संदेशी दीदी। तो वतन में जाके बाबा को भोग खिला के आया बोलती है। कौनसे बाबा को खिलाती है?
बाबाः बिन्दी बाबा तो खाते नहीं हैं। ब्रह्मा बाबा को खिला के आती है।
जिज्ञासुः बापदादा को खिलाया बोलती है।
बाबाः बापदादा को खिलाती है माने बाप जो है वो तो वास्तव में राम वाली आत्मा है। लेकिन राम वाली आत्मा के मुकर्रर रथ में शिव बाप प्रवेश करता है। शिव बाप है आत्माओं का बाप। और खाने वाला कौन है? खाने वाला शरीरधारी बाप है। और दादा वाली आत्मा उसमें चन्द्रमा के रूप में प्रवेश है। बाप भी है और दादा भी है।
दूसरा जिज्ञासुः वो तो ऊपर जाते हैं। ऊपर तो कोई शरीर ही नहीं है। ऊपर कहाँ से खिलाएंगे?
बाबाः ऊपर माने ऊँची स्टेज में हैं दोनों आत्माएं।
जिज्ञासुः क्या उनको दिखता है?
बाबाः शंकरजी को कैलाश पर्वत पर दिखाते हैं तो कोई कैलाश में थोड़ेही बैठे रहते हैं। है यादगार कहाँ की? संगमयुग की यादगार है। संगमयुग में ये आत्माओं ने ऊँची स्टेज में रहके पार्ट बजाया है। इसलिए कैलाश पर्वत पर दिखाते हैं।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Time: 34.22-35.30
Student: Baba, the *sandeshi didi* who offers *bhog* in Madhuban, she says that she returned after offering *bhog* to Baba to eat in the subtle world (*vatan*). Which Baba does she offer *bhog* to eat?
Baba: Point Baba certainly doesn't eat. She feeds Brahma Baba and comes back.
Student: She says that she fed Bapdada.
Baba: She feeds Bapdada. It means that the father is the soul of Ram in reality. But the Father Shiva enters the permanent chariot of the soul of Ram. The Father Shiva is the Father of souls. And who eats? The one who eats is the bodily father. And the soul of Dada has entered in him in the form of moon. There is Baap as well as Dada.
Second student: They go above. There is no body above at all. How can they feed above?
Baba: Above means that both the souls are in a high *stage*.
Student: Do they see them?
Baba: Shankar*ji* is shown on Mount Kailash; so, he does not sit on Kailash all the time? It is a memorial of which time? It is a memorial of the Confluence Age. These souls have played a *part* in the Confluence Age in a high *stage*. This is why he is shown on Mount Kailash… (to be continued.)

Extracts-Part-3

समयः 35.31-37.18

जिज्ञासुः शास्त्रों में कल्प की आयु लाखों वर्ष दिखाया हुआ है। वो भी तो ज्ञान से संबंधित है।
बाबाः हाँ। ये यहीं की बातें हैं। अभी ब्रह्माकुमारियों के लिए तो ये कल्प लाखों वर्ष का होता चला जा रहा है शूटिंग पीरियड या छोटा हो रहा है? उनके लिए तो लंबा पहाड़ की तरह दुनिया बढ़ती चली जा रही है। उन्होंने ही जाकरके वहाँ शास्त्रों में लिख दिया है, कल्प लाखों वर्ष का है। अभी अन्दर से ज्यादा दुःखी कौन हो रहीं हैं? ब्रह्माकुमारियाँ ज्यादा दुःखी हो रही हैं या एड़वांस वाले ज्यादा दुःखी हो रहे हैं? वो अन्दर-अन्दर ज्यादा दुःखी हो रही हैं। तो दुःख में समय लंबा होता जाता है या छोटा हो जाता है? (जिज्ञासु - लंबा हो जाता है।) लंबा हो जाता है। उनके लिए तो पहाड़ जैसा हो गया टाइम। संगमयुग काटे नहीं कट रहा है।

Time: 35.31-37.18
Student: The duration of a *kalpa* (cycle) has been written to be hundred thousand years in the scriptures. That too is related to knowledge.
Baba: Yes. These topics belong to here itself. Is the *kalpa*, the *shooting period* continuing to become hundred thousand years old for the Brahmakumaris or is it becoming shorter? For them, the world is expanding like a huge mountain. It is they, who have written in the scriptures there (in path of *bhakti*) that the *kalpa* is hundred thousand years old. At present, who is experiencing more sorrow from within? Are the Brahmakumaris experiencing more sorrow or are the members of the Advance Party experiencing more sorrow? They are experiencing more sorrow from within. So, does time become longer in sorrow or does it become shorter? (Student: It becomes longer) It becomes longer. For them the *time* is like [crossing] a mountain. They are unable to pass [the time of] the Confluence Age.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

दूसरा जिज्ञासुः वो तो एडवांस पार्टी से बहुत भयभीत हैं बाबा।

बाबाः फिर? भयभीत हैं ही।

दूसरा जिज्ञासुः वो बोलते हैं, ये लोग, जब बीके लोग शंकर पार्टी में जाते हैं तो वहाँ पे जाके दीदी लोगों को जैसे भालू होता है ना बाबा, नाखून से जैसे सिकोड़ता है।

बाबाः नोचता है।

दूसरा जिज्ञासुः नोचता है। हाँ, ऐसे बोलते हैं कि शंकर पार्टी में जाने के बाद दीदी लोग बोलती हैं इधर जाने वाली आत्माएं वो सभी भालू की तरह चिराडने लगते हैं।

बाबाः नोचते हैं। डूबी जा, डूबी जा, डूबी जा।

दूसरा जिज्ञासुः ऐसे अनुभव सुनाते हैं।

बाबाः उनको ऐसे लगता है। लेकिन ऐसे तो यहाँ कोई करता नहीं। बाहुबल वो ही लोग दिखाते हैं। हम लोग तो बाहुबल नहीं दिखाते हैं। घड़ी-घड़ी हर बात में पुलिस की धमकी देते हैं। हर बात में गुण्डों की धमकी देते हैं। यहाँ तो ऐसा कोई नहीं करता।

Second student: Baba, they are very scared of the Advance Party.
Baba: Then? They are certainly scared.
Second student: They say, 'when these people meaning the BKs go to the Shankar Party, after going there, just like the bear uses its claws…'
Baba: It (bear) claws.
Second student: It claws.
Yes, they say that after going to Shankar Party, the souls that come here claw the *didis* like bears.
Baba: They claw them. Drown, drown, drown.
Second student: They narrate their experience like this.
Baba: They feel so but nobody does like this here. It is they who use physical power. We people certainly don't use physical power. They give the threat of police every moment, in every matter. They give the threat of hooligans in every matter. Certainly, nobody does like that here.

समयः 42.18-45.40

जिज्ञासुः बाबा, जब हम अपने लौकिक घर में बैठते हैं ना तो आपको याद करते हैं, बात भी करते हैं आपसे। वो बातें आप सुनते हो या नहीं?

बाबाः देखो पकड़े गये आप। तुम बात शिवबाबा से करते हो या देहधारी से करते हो?

जिज्ञासुः शिवबाबा से।

बाबाः इसका मतलब देहधारी से बात करते हो।

जिज्ञासुः नहीं बाबा साकार को तो याद करना पडेगा ना।

बाबाः आत्माएं दो हैं ना। बल्कि तीन आत्माएं हैं। एक ब्रह्मा बाबा की आत्मा चन्द्रमा के रूप में अलग प्रवेश है। एक तीसरे नेत्र के रूप में शिवबाबा की आत्मा है। वो अलग प्रवेश है। एक रामवाली आत्मा, जिसका अपना शरीर है, वो अलग है। तो तुम किससे बात करते हो?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासुः राम वाली आत्मा से।
बाबाः फिर? राम वाली आत्मा से तो बात नहीं करनी चाहिए। वो तो खुद ही पतित है। राम के भक्त, रहीम के बन्दे, हैं ये सब आँखों के अंधे। उसी लिस्ट में जाना है क्या?

Time: 42.18-45.40
Student: Baba, when we sit in our *lokik* home, we remember you; we also talk to you. Do you listen to those conversations or not?
Baba: Look, you have been caught. Do you talk to Shivbaba or to the bodily being?
Student: To Shivbaba.
Baba: It means that you talk to the bodily being.
Student: No Baba we need to remember the corporeal, needn't we?
Baba: There are two souls, aren't there? Rather there are three souls. One is the soul of Brahma Baba which has entered in the form of the Moon. One is the soul of Shivbaba in the form of the third eye. He has entered separately. One is the soul of Ram which has its own body; it is separate. So, with whom do you talk?
Student: With the soul of Ram.
Baba: Then? You should not talk to the soul of Ram. He himself is sinful. Devotees of Ram, the followers of Rahim, all of them are blind *(Ram ke bhakt, Rahim ke bande; hai ye sab aankho ke andhe)*. Do you want to be included in that *list*?

दूसरा जिज्ञासुः लेकिन शिव भी तो राम की आत्मा में है ना। तो बात किससे करेंगे?
बाबाः नहीं बात तो शिवबाबा से हमें करनी है ना। हमारा कान्सेन्ट्रेशन तो हमेशा (दूसरे जिज्ञासु ने कहा शिवबाबा है तो राम वाली आत्मा में ना) (बाबा उस जिज्ञासु से) तुम भी उसी लिस्ट में हो। हमारा कान्सेन्ट्रेशन शिवबाबा के ऊपर रहना चाहिए ना। हम जानते हैं पतित से पावन बनाने वाली आत्मा कौन है? राम वाली आत्मा है? कृष्ण वाली आत्मा है? या शिवबाबा है? शिवबाबा है। हम बात ही हमेशा शिवबाबा से करें।
तीसरा जिज्ञासुः फिर भक्ति में पतित पावन सीता-राम नाम लिया क्यों है? (एसा) गायन (क्यों है) ?
बाबाः ये भी इसी लिस्ट में है लगता है।
तीसरा जिज्ञासुः गायन कैसे पड़ा बाबा?
बाबाः राम की वकालत करने वाले बहुत हैं। शिवबाबा को कोई पूछता ही नहीं। एक मुरली में बाबा ने बोला है। बाबा ने कहा कोई मम्मा के भगत कोई बाबा के भगत। शिवबाबा को कोई पूछता ही नहीं।
तीसरा जिज्ञासुः गायन पडा है ना। गायन किस हिसाब से है? किस राम का गायन है वो?
बाबाः गायन शिव का है। शिव ने सारा काम किया। अगर सहनशक्ति ब्रह्मा बाबा ने (धारण) की होती तो 63 जन्म में सहनशक्ति (धारण) करके नई दुनिया बना दी होती ना।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Second student: But the soul of Shiva is also present in (the body of) the soul of Ram, isn't He? So, with whom should we talk?
Baba: No. We should talk to **Shivbaba**, shouldn't we? Our *concentration* should always be... (Another student said Shivbaba is certainly present in (the body) of the soul of Ram, isn't He?) (Baba to that student,) you too are included in that *list*. Our *concentration* should be on Shivbaba, shouldn't it? We know which soul transforms us from sinful ones to pure ones. Is it the soul of Ram? Is it the soul of Krishna? Or is it Shivbaba? It is Shivbaba. We should always talk to Shivbaba.
Third student: Then, why is the name of *'patit-paavan Sita-Ram'* taken in the path of *bhakti*? Why is there such praise?
Baba: This one also appears to be in the same *list*.
Third student: Baba, how did the praise began?
Baba: There are many who advocate for Ram. Nobody cares for Shivbaba at all. Baba has said in a murli, Baba has said that some are the devotees of Mamma, some are the devotees of Baba. Nobody cares for Shivbaba at all.
Third student: There is the praise, isn't there? On what basis is there the praise? It is the praise of which Ram?
Baba: The praise is of Shiva. Shiva did the entire task. Had Brahma Baba assimilated the power of tolerance, he would have assimilated the power of tolerance in 63 births and created a new world, wouldn't he?

दूसरा जिज्ञासुः वो शिवबाबा दिखते तो राम वाली आत्मा के थ्रू ही है ना। शिवबाबा हमको जो अनुभव होते हैं, बोलना, देखना, सुनना, उठना, बैठना, वो तो राम की आत्मा से अनुभव होते हैं ना।
बाबाः माने इसके पहले तुमने जो मुरलियाँ सुनी उस समय राम था?
दूसरा जिज्ञासुः नहीं था।
बाबाः फिर कहाँ से तुमने जान लिया कि ये शिवबाबा की मुरली है?
दूसरा जिज्ञासुः वो कृष्ण वाली आत्मा के थ्रू सुनाया हुआ सुनते हैं। लेकिन याद तो नहीं आती है ना कृष्ण की आत्मा। साकार में तो देखा नहीं है।
बाबाः ब्रह्माकुमारियों को कैसे याद आती है (उनकी)?
दूसरा जिज्ञासुः साकार में तो देखा ही नहीं है ना फिर याद कैसे आयेगा? वो तो कल्पना करते थे खाली।
बाबाः ब्रह्माकुमारियों को तो याद आती है।
दूसरा जिज्ञासुः उनको याद आती होगी ना।
बाबाः तो फिर?

Second student: That Shivbaba is visible through the soul of Ram himself, isn't He? Shivbaba whom we experience; [like] speaking [with Him], seeing [Him], listening [to Him], getting up [with Him], sitting [with Him]; all that is experienced through the soul of Ram himself, isn't it?
Baba: It means, was Ram present before this when you heard murlis?
Second student: He wasn't.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Baba: Then how did you know that this is Shivbaba's murli?
Second student: We hear whatever is narrated through the soul of Krishna. But the soul of Krishna is not remembered, is it? We didn't see him in corporeal.
Baba: How do the Brahmakumaris remember [him]?
Second student: We have not seen him in corporeal at all; then how will we remember him? We used to just imagine.
Baba: Brahmakumaris do remember him.
Second student: They must be remembering [him], mustn't they?
Baba: Then?

दूसरा जिज्ञासुः तो हमको तो राम की आत्मा सामने मौजूद होती है तो हमको तो याद आती है ना।

बाबाः तो वो ही तो बताया। कोई राम के भगत, कोई रहीम के भगत, कोई कृष्ण के भगत। इन्होंने ही तो सारा सत्यानाश किया है भक्तों ने।

दूसरा जिज्ञासुः राम के अन्दर शिवबाबा को देखते हैं।

बाबाः हाँ, तो शिव को देखो। असली चीज़ तो शिव है ना। सारी महिमा शिव बाबा की है। न राम की है, न कृष्ण की है, न ब्रह्मा की है, न विष्णु की है, न महेश की है।

दूसरा जिज्ञासुः दोनों का मेल ही तो शिवबाबा है इसलिए तो याद करते हैं।

बाबाः वो तो ठीक है। बिना माईक के आवाज़ कहाँ से निकलेगी?

दूसरा जिज्ञासुः इसलिए साकार में दिखता है ना।

बाबाः तो माईक को ही पकड़ के बैठ जाओ सो थोड़ेही।

जिज्ञासुः ना, ना। साकार में निराकार को देखते हैं।

बाबाः हाँजी। इसलिए पावर कम आती है आत्मा में। कान्सन्ट्रेशन हमारा देहधारी के ऊपर हो जाता है।

Second student: So, in our case, the soul of Ram is present in front of us [therefore] we remember him, won't we?
Baba: That very thing has been said. Some are the devotees of Ram, some are the devotees of Rahim; some are the devotees of Krishna. It is these devotees who have ruined everything.
Second student: We see Shivbaba in Ram.
Baba: Yes; look at Shiva. The real thing is Shiva, isn't He? The entire praise is of Shivbaba. It is neither of Ram nor Krishna, or Brahma, or Vishnu nor of Mahesh either.
Second student: The combination of both is Shivbaba that is why we remember him.
Baba: That is all right. How will the sound come out without a *mike*?
Second student: Hence, we see in corporeal, don't we?
Baba: So, it should not be that you hold just the *mike*.
Student: No. no. We see the incorporeal One within the corporeal one.
Baba: Yes. This is why less *power* is filled in the soul. Our *concentration* gets focused on the bodily being... (to be continued)

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Extracts-Part-4

समयः 45.45-49.10

जिज्ञासुः बाबा, वो बेसिक में वो योगी का चित्र बनाया हुआ है ना। नीचे जैसे योगी ऐसे बैठा हुआ है। ऊपर ज्योति पुंज दिखाया गया है। उससे जैसे किरण नीचे आ रही है। उसके ऊपर पड़ रही है। और ये ग्लोब के ऊपर बैठा हुआ है। सारे ग्लोब में वो पावर फैला हुआ है। ऐसा चित्र बनाया हुआ है। तो अभी हम जैसे आपसे मिलते हैं ना, आमने-सामने मिल रहे हैं, शिवबाबा आपके भृकुटि के थ्रू हम अनुभव करते हैं। लेकिन जब आप हम और ये देह से दूर हो जाते हैं, आँखों के नज़र से साइड हो जाते हैं तो उसके बाद, बाबा जब याद करते हैं ना तो ऐसे आमने-सामने याद करना चाहिए या थोड़ी दूरी से याद कर सकते या वतन से याद कर सकते हैं?

बाबाः सामने आया है तो सामने ही याद किया जाएगा। शिवबाबा क्या ऊपर बैठा हुआ है? पतितों को पावन बनाने के लिए नीचे आ चुका है या ऊपर बैठा है? मुरली में बोला है जो मुझे ऊपर याद करते हैं वो हैं शूद्र संप्रदाय। (जिज्ञासु - शूद्र संप्रदाय) हाँ। ऊपर है शिवबाबा? (जिज्ञासु - नहीं) फिर? वो तो नीचे आ गया। ऊपर जाकर क्या करेगा? 500 करोड़ को पावन बनाने का काम नीचे करना है या ऊपर करना है?

Time: 45.45-49.10

Student: Baba, a yogi's picture has been prepared in basic knowledge, hasn't it? A yogi is sitting below. A mass of light has been shown above him. Rays come down and fall on him. And he is sitting on globe. The *power* [of light] has spread all over the globe. They have prepared a picture like this. So now, for example, we meet you, don't we? We are meeting face to face. We experience Shivbaba through the forehead. But when we go far away from you, from this body, when we go away from the vision, and remember Baba, then should we remember [Him] as if we are sitting face to face or can we remember [Him] at a distance or in the subtle world?

Baba: If He (Baba) has come in front of you, then he will definitely be remembered in front. Is Shivbaba sitting above? Has He come down to purify the sinful ones or is He sitting above? It has been said in the murli: those who remember Me above belong to *Shudra*[4] community. (Student: Shudra community.) Yes. Is Shivbaba above? (Student: No.) Then? He has come already down. What will He do after going above? Does He have to do the task of purifying the five billion [soul] below or does He have to do it above?

जिज्ञासुः जो जिसके प्रति ज्यादा प्यार होता है ना बाबा, वो जिधर देखो उधर दिखाई पड़ता है। ऐसा बोलते हैं।

बाबाः वो तो भावना है।

[4] Untouchable; the fourth and the lowest division of the Indo-Aryan society

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासुः और जैसे आशुक-माशुक होते हैं। तो एक सिगरेट पीता है उसका धुआं निकलता है। और माशुक को उस धुआँ में उसका चित्र दिखता है। ऐसे शिवबाबा इधर-उधर बादलों में देख सकते हैं ऐसा?

बाबाः शिवबाबा माना?

जिज्ञासुः ज्योतिबिन्दु।

बाबाः बिन्दु को बाबा कहना ही रांग है।

जिज्ञासुः चित्र में विचित्र है ना?

बाबाः चित्र में विचित्र है। वो ठीक है। वो भी भावना की बात हो गई।

जिज्ञासुः तो वो भी बादलों में ऐसे देख सकते हैं?

बाबाः वो भावना की बात है। तुम कहीं भी देखो।

जिज्ञासुः वो राइट होता है, रांग होता है ऐसे देखना?

बाबाः ये तो सब भावना की बात है, कल्पना की बात है। अपनी अपनी कल्पना है।

Student: Baba, when someone has very much love for someone; he is visible to him everywhere. People say so.
Baba: That is just a feeling.
Student: And just as there is a lover and beloved so, the lover smokes cigarettes; smoke comes out from it and he sees the picture of the beloved in that smoke. Similarly, can we see Shivbaba here and there in the clouds?
Baba: What do you mean by Shivbaba?
Student: Point of light.
Baba: Calling a point Baba itself is *wrong*.
Student: There is the formless one (*vichitra*) within the one with a form (*chitra*).
Baba: *Vichitra* in *chitra* is correct. That is also a feeling.
Student: So, can we see the picture in the clouds in this way?
Baba: That is a feeling. You may see him anywhere.
Student: Is it right or wrong to see like this?
Baba: All this is a topic of feeling, a topic of imagination. It is everyone's own imagination.

दूसरा जिज्ञासुः गोपियों ने कृष्ण को एक बार देखा, सुना, उठा, बैठा, बोला, खाया, पीया। जो अभी हो रहा है। तो वो जिंदगी भर के लिए छाप बैठ गया। तो जहाँ बैठे वहीं याद आ रहा है।

बाबाः वो तो ठीक है। प्रैक्टिकल आँखों से देखी है सो याद आती है।

दूसरा जिज्ञासुः वो भी तो याद हुआ ना।

बाबाः वो प्रेक्टिकल बात है जो हमने आँखों से देखी है सो याद कर रहे है।

जिज्ञासुः वो बार-2 याद आ रहा है।

बाबाः तो अच्छी बात है। खराब बात क्या है?

दूसरा जिज्ञासुः ये भी तो याद की लिस्ट में हुआ ना।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबाः अब हवा में देखना ऊपर। तो ऊपर हवा में है क्या? वो तो सर्वव्यापी हो जाएगा। फिर तो सर्वव्यापी की लिस्ट में आ गया ना।

जिज्ञासुः रात के समय जैसे चांदनी रात होता है ना बाबा। तो हम चलते हैं तो चांद भी चलता है। जैसे हम गाड़ी में यात्रा कर रहे हैं, तो बाबा भी साइड में हमारे साथ ही यात्रा कर रहे हैं। ऐसे अनुभव होता है। वो जो याद है वो राइट याद है, रांग याद है?

बाबाः वो सब भावना की बात है। असली बात ये है शिवबाबा कहाँ है अभी? मधुबन में होगा। (जिज्ञासु ने कहा जहाँ मधुसूदन है वहाँ मधुबन है। अभी भी तो क्या है? मधुबन।) अभी आपके लिए ये ही मधुबन है। असली मधुबन तो ये ही हो गया। आपने पहली बार तो यहाँ अनुभव किया।

Second student: *Gopis*[5] saw Krishna just once, they listened to him, sat with him, spoke to him, ate with him, drank with him..., it is happening now. So, it made a lifelong impression on them. So, we remember [Baba] wherever we sit.
Baba: That is all right. Whatever is seen through the eyes in practice is remembered.
Second student: That is also remembrance, isn't it?
Baba: That is a *practical* thing; we remember whatever we have seen through the eyes.
Second student: That is remembered again and again.
Baba: So, it is good. What is wrong in that?
Second student: This is also counted in the list of remembrance, isn't this?
Baba: Well, to see in the air above; so is He above in the air? Then, He will become omnipresent. Then He is included in the *list* of being omnipresent, isn't He?
Student: Baba, suppose it is a full moon night. When we walk, the Moon also travels with us. For example, we are travelling by train, we feel that Baba is also travelling beside us. Is that remembrance right or wrong?
Baba: All that is about feelings. The truth is… where is Shivbaba now? He will be in Madhuban. (Student said: Where there is *Madhusudhan*[6] there is Madhuban. What is it even now? Madhuban.) For you this very place is Madhuban now. This place itself is the true Madhuban. You have experienced [Baba] for the first time here.

समयः 49.30-50.50

जिज्ञासुः बाबा, सागर मंथन में सांप जो है उसका सर असुरों की ओर और पूंछ देवता की ओर। वो किसकी यादगार है अभी संगमयुग में?

बाबाः अभी जो मुरलियाँ चल रही हैं, ये मुरलियों में से जो भाषा निकल रही है वो बीके वालों को कैसी लगती है और जो एडवांस में चलते हैं उनको कैसी लगती है? जो एडवांस में चलने वाले हैं... मुरली तो एक ही है। वो मुरली जो एक है, जो कि ब्रह्मा बाबा के द्वारा मुरली चलाई गई है, उसका क्लेरिफिकेशन ही तो है, व्याख्या ही तो है। लेकिन वो व्याख्या ब्रह्माकुमार-कुमारियों को कैसी लगती है सुनने में? (जिज्ञासु - तीखी लगती है।) तीखी लगती है। और एडवांस वालों को कैसी लगती है? (जिज्ञासु - मीठा।) प्यारी लगती है। बस यही

[5] Herd girls
[6] Destroyer of Madhu (a demon); a title of Vishnu or Krishna

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

देवता हो गए, ये ही असुर हो गये। हम बाबा की श्रीमत को फालो करते हैं। इसलिए हमने जैसे कि पूँछ पकड़ी हुई है। वो मुँह पकड़ते हैं। ऐसे बोलते हैं, ऐसे बोलते हैं, इन्होंने ऐसा बोला। ये मुँह पकड़ना हो गया।

Time: 49.30-50.50
Student: Baba, during the churning of ocean, the head of the snake was towards the demons and the tail was towards the deities. In the Confluence Age, it is a memorial of what?
Baba: All the murlis that are being narrated now; the language that is being used in these murlis, how does it appear to the BKs and how does it appear to those who follow the Advance [knowledge]? To those who follow the Advance [knowledge]... The murli is the same. That murli which is common, which was narrated through Brahma Baba; it is the *clarification*, the explanation of the same murli, isn't it? But how does that explanation sound to the BKs while listening? (Student: They feel it to be harsh.) It sounds harsh. And how does it sound to those who follow the Advance knowledge? (Students: sweet.) It sounds lovely. That's it, these ones are the deities and those ones are the demons. We *follow* Baba's shrimat. This is why it is as if we have caught hold the tail. They find faults (*muh pakarna*). He says like this; He says like this; He said like this. This is like finding faults... (to be continued)

Extracts-Part-5

समयः 51.35-55.45

जिज्ञासुः एक क्वेश्चन था पूछ सकते हैं?

बाबा: क्यों नहीं पूछ सकते?

जिज्ञासु: बाबा ये भक्तिमार्ग में जब मनुष्य मरता है, शरीर छोड़ता है। उसका काज क्रिया हो जाता है। काज क्रिया करने से वो पार हो जाता है, मुक्ति मिल जाता है। ऐसा मानते हैं।

बाबाः क्रिश्चियन्स का ऐसे क्यों नहीं होता? मुसलमानों का ऐसे क्यों नहीं होता? पारसियों का ऐसे क्यों नहीं होता? नहीं होता ना। वो तो सीधा ले जाके गाड़ देते हैं। फिर? तो क्या नर्क में चले जाते हैं? ये सब अपनी-अपनी मान्यता है। शरीर छोड़ने के बाद कुछ भी करो शरीर को।

जिज्ञासुः फिर तो कोई चिन्ता की बात ही नहीं। हमारे युगल ने बोला कि होलसेल में सब मर जाएंगे तब काज क्रिया करने का कोई नहीं होता। तो क्या उसको मुक्ति मिल सकता है?

बाबाः क्रिया कर्म करो, मृत शरीर का, न करो, कोई अन्तर नहीं पड़ता। ये सब भक्तिमार्ग की परंपराएं हैं। झूठी परंपराएं, इनमें कुछ भी रखा नहीं है। समझते हैं 13 दिन तक शरीर में आत्मा वास करती है। ऐसा कुछ नहीं। जो मुरली में बोला है वो ही सही है। आत्मा शरीर छोड़ती है, तुरन्त जाके दूसरे गर्भ में प्रवेश कर जाती है।

Time: 51.35-55.45
Student: There is a question, may I ask?
Baba: Why not?
Student: Baba, when a person dies in the path of *bhakti*, when he leaves his body, funeral rites are performed. It is believed that he attains liberation (*mukti*) when the funeral rites are performed.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Baba: Why doesn't it happen in case of Christians? Why doesn't it happen in case of Muslims? Why doesn't it happen in case of Parsis? It doesn't happen, does it? They take it (the corpse) and bury it straightaway. Then? Do they go to hell? This is everyone's own belief. You can do anything to the body after a soul leaves its body.
Student: Then there is nothing to worry at all. My wife said that when people will die on a large scale, then there will be nobody to perform funeral rites. So, can they attain *mukti*?
Baba: It does not make any difference whether you perform funeral rites of the dead body or not. All these are the traditions of the path of *bhakti*. These are false traditions. They are of no use. They think that the soul resides in body for thirteen days. It is not like that. Whatever has been said in the murlis only that is true. When a soul leaves its body, it enters [the body in] another womb immediately.

जिज्ञासुः कुछ काज क्रिया करे या न करे?
बाबाः न करो। ऐसे ही नदी में छोड़ दो, जमीन में गाड़ दो, ऐसे ही जला दो, कुछ भी न करो, कीड़े पड़ जाएं, जंगल में पड़ा रहे, कुछ नहीं होने वाला। ऐसे नहीं कि आत्मा की दुर्गति हो जाएगी। अब जब विनाश होगा, बड़ा विनाश होगासारी सृष्टि का, इतनी ऊँची-ऊँची बिल्डिंगें जो बनी पड़ी हैं, सैंकड़ों-2 मार की, और ढ़ेर के ढ़ेर मरेंगे, तो वो सब कहाँ जाएंगे? उन्हें जलाया जाएगा कि जमीन में गाड़ा जाएगा कि पानी में फेंका जाएगा? सड़ेंगे ना। सड़ जाएंगे। उनकी दुर्गति हो जाएगी? परमधाम नहीं जाएंगे? परमधाम जाएंगे कि नहीं?
जिज्ञासुः वो अपना-अपना पार्ट से जायेंगे।
बाबाः सब परमधाम जाएंगे। फिर? ये सब झूठी बातें हैं।

Student: It doesn't matter, whether we perform the funeral rites or not?
Baba: You need not. You can leave it as it is in a river, you can bury it in the earth, you may simply burn it, (or) you may not do anything at all. Let it microbes grow on it. It may lie in the jungle; nothing is going to happen. It is not that the soul will undergo degradation. Now, when destruction takes place, when massive destruction of the entire world happens; so many high multistoried buildings, have been constructed, and when large number of people die, where will all of them go? Will they be burnt or will they be buried in earth or will they be thrown in water? They will rot, will they not? They will rot. Will they undergo degradation? Will they not go to the Supreme Abode? Will they go to the Supreme Abode or not?
Student: They will go according to their part.
Baba: Everyone will go to the Supreme Abode. Then? All these are false things (regarding funeral rites).

दूसरा जिज्ञासुः बाबा अभी तक परमधाम का गेट खुला नहीं है। तो लोग जो शरीर छोड़ते हैं, कोई को तो धुलाते हैं, कोई ऐसे ही पड़े रहते हैं। उनकी जो हड्डियाँ, अस्थियाँ होती हैं - हड्डी - वो जल्दी तो सड़ती नहीं है। वो जो भी जमीन में पड़ी होती है ना। तो उसको उठाके लाने से या उसके पास जाने से उसके साथ ईविल सोल आती है ऐसा बताते हैं।
बाबाः कुछ नहीं होता। ये सब भावना है।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Second student: Baba, the gate of the Supreme Abode has not yet opened. So, the people who leave their bodies, some are washed, some are simply left. Their bones do not decay quickly. They continue to lie on earth, so, people say that if you pick them up or go near them, evil souls come along with the bones.
Baba: Nothing happens. All this is a feeling.

दूसरा जिज्ञासुः वो तंत्र-मंत्र विद्या वाले वो हड्डी को प्रयोग करके वो सब काम करते हैं।
बाबाः भूत-प्रेतों को सिद्ध करना अलग बात होती है। वो तो अकाले मौत वाले हैं। क्या? जिनका अकाले मौत होता है उनको शरीर नहीं मिलता है। वो सूक्ष्म शरीर लेकर इधर-उधर मंडराता रहता है। उनको कंट्रोल कर-करके उल्टे काम करवा लेना, ये एक अलग बात है।
दूसरा जिज्ञासुः वो अस्थियाँ जहाँ होती हैं वहाँ ऐसे ईविल सोल ज्यादा आता है, ऐसे बोलते हैं।
बाबाः ऐसे समझते हैं।

Second student: The *tantriks* (black magicians) use those bones to perform their tasks.
Baba: To control the ghosts and spirits is a different topic. They are the souls which have met an untimely death. What? Those who meet an untimely death do not get a body. That subtle body keeps wandering here and there. To *control* them and make them perform wrong deeds is a different topic.
Second student: People say that such evil souls frequently come to the places where those bones are lying.
Baba: People think so.

दूसरा जिज्ञासुः जैसे कि किसी ने घर बनाया। उससे पहले वो शमशान था। माना किसी को उसमें दफनाया गया था। उसके ऊपर घर बनाया। तो उसको कभी घर में शान्ति से जीने नहीं देता है। फिर वो तांत्रिक वाले आते हैं।
बाबाः सब मान्यताएं हैं। जो भूत-प्रेत मानते हैं उनके लिए सिद्ध होता है। जो नहीं मानते हैं उनके लिए कुछ भी सिद्ध नहीं होता। फर्रूखाबाद के मकान में एक साल के अन्दर नौ मौतें हुई थीं। जिनकी बुद्धि में बात बैठी हुई है, ऐसा हुआ था इस मकान में, उनको अनुभव होता है कि हाँ वो सोल आई, सोल आई, सोल आई। हमको तो कभी अनुभव नहीं हुआ। इसीलिए मुरली में बोला है भय का भूत होता है।

Second student: For example, someone build a house. Prior to that, it was a cremation ground. I mean to say someone was buried there. A house was built on it. So, it (the soul) never lets them live in that home peacefully. Then those *tantriks* come.
Baba: All these are beliefs. It works only for those who believe in ghosts and spirits. For those who do not believe (in them), nothing works. In the house (*Minimadhuban*) at Farrukhabad, nine deaths had occurred within a year (before being made into a *Minimadhuban*). Those in whose intellect it has sat that such things had happened in this house feel that the *soul* has come. I never experienced it. This is why it has been said in the murli that it is a ghost of fear.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

समयः 55.46-56.00

जिज्ञासुः बाबा, शास्त्रों में 84 व्यंजन दिखाया हुआ है। वो भी तो इसी बात की यादगार होगी ?

बाबाः 36 प्रकार के।

जिज्ञासुः उसकी तो कोई यादगार होगी ना?

बाबाः यहाँ बना-बना के खाते नहीं हैं अच्छे-अच्छे?

Time: 55.46-56.00
Student: Baba, 84 kinds of dishes are mentioned in the scriptures. That would also be a memorial of the present time, wouldn't it?
Baba: There are 36 kinds of dishes.
Student: It must also have a memorial, mustn't it?
Baba: Don't they (Brahmins) prepare nice dishes and eat here?

समयः 56.02-56.58

जिज्ञासुः बाबा, हमारे भाई-बहन हैं ना। अभी जो पढ़ाई करके मेट्रिक पास किया है, वो कॉलेज में दाखिला होना है नहीं होना है? कौनसा पढ़ाई पढ़ना है वो कन्फ्यूज़ है।

बाबाः ये तो उनके ऊपर है ना।

जिज्ञासुः कॉस्ट्ली सब्जेक्ट पढ़ना है या थोड़ा चीप सब्जेक्ट पढना है? वो अपना निर्णय नहीं कर पा रहा है।

बाबाः पढाई पढ़ने से भी कोई फायदा नहीं और नहीं पढ़ेंगे तो भी कोई खास नुकसान नहीं। इससे तो अच्छा अपना कोई धंधा करने लगें । खेती-किसानी करने लगें। इसमें कुछ अर्निंग तो होगी।

Time: 56.02-56.58
Student: Baba, my brothers and sisters have studied and passed tenth grade; they are confused regarding whether they should take admission in college or not, and which subject should they study.
Baba: It depends on them, doesn't it?
Student: Should they study a costly subject or a slightly cheaper subject? They are unable to decide.
Baba: There is no benefit even if they study and there is no special loss even if they do not study. Instead, it is better that they start their own business, they start farming. They will at least earn something.

जिज्ञासुः वो कोई डॉक्टरी करना चाहते हैं कोई इंजीनियर पढ़ना चाहते हैं।

बाबाः और पांच साल डाक्टरी पढ़ेंगे, पांच साल पढ़ने के बाद फिर कहीं हो हल्ला शुरु हो गया। डाक्टरी बेकार चली जाएगी।

दूसरा जिज्ञासुः वो निर्णय नहीं कर पा रहा है कि क्या पढ़ना है?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबाः निर्णय तो हुआ पड़ा है डॉगली पढ़ाई नाम दे दिया। निर्णय तो बाबा ने आके कर दिया ना कि ये डॉगली पढ़ाई है।

Student: [Among them] someone wants to study medicine; someone wants to study engineering.
Baba: If he studies medicine for five years; after studying for five years if commotion [of destruction] starts. The study of medicine will go to waste.
Second student: They are unable to decide, what should they study?
Baba: The decision has already been taken it (the worldly study) has been named *dogly parahi*[7] . Baba has come and given the decision that this is *dogly parahi*, hasn't He?... (to be continued)

Extracts-Part-6

समयः 57.35-59.26

जिज्ञासुः सपना जो होता है सोते समय, वो सच होता है कि झूठा है?

बाबाः स्वप्नदोष?

दूसरा जिज्ञासुः नहीं। स्वप्न में जो बात दिखाई देती है वो प्रैक्टिकल जीवन में होता है कि नहीं होता है? हो सकता है या नहीं हो सकता है?

बाबाः सात्विक स्टेज में स्वप्न दिखाई देता है सवेरे को तो सच्चा भी हो जाता है। स्टेज की बात है। स्वप्न और संकल्पों और साक्षात्कार ये रील संगमयुग में तो बहुत ही घूमती है। 63 जन्मों की रील अभी घूम रही है। जैसे-जैसे संकल्पों की रील घूमती है वैसे-वैसे हमारा पुरुषार्थ भी अप एंड डाउन होता रहता है। पूर्वजन्मों के अच्छे संकल्पों की रील घूमती है तो हमारा पुरुषार्थ अपने आप अच्छा हो जाता है। पूर्व जन्मों के खराब संकल्पों की रील घूमने लगती है तो हम कितना भी पुरुषार्थ करना चाहें तो भी पुरुषार्थ अच्छा नहीं होता है। (जिज्ञासु ने कुछ कहा) हाँ, वो रिहर्सल हो रही है ना अभी संगमयुग में।

Time: 57.35-59.26
Student: Are the dreams (*sapna*) that we see during sleep true or false?
Baba: *Swapnadosh* (a disease)?
Second student: No. Whatever we see in dreams, does it happen in practical life or not? Can it happen or not?
Baba: Sometimes, the dreams that we see in a pure (*satvic*) *stage* in morning becomes true as well. It is about *stage*. The *reel* of dreams and thoughts and visions rotate a lot in the Confluence Age. The *reel* of 63 births is rotating now. Our *purusharth* also goes *up* and *down* according to the *reel* of thoughts that rotate. When the *reel* of good thoughts of past births rotates, our *purusharth* becomes good automatically. When the *reel* of bad thoughts of the past births rotates, then, no matter how much we wish to make [nice] *purusharth*, we cannot make nice *purusharth*. (Student said something.) Yes. Now, that *rehearsal* is going on in the Confluence Age, isn't it?

[7] Study not worth anything

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

तीसरा जिज्ञासुः बाबा इसी बात को लेके ना कई बात बहुत उल्टे हो रहे हैं।
बाबा: क्यों?
तीसरा जिज्ञासुः जैसे मान लो पुरुषार्थ नहीं कर रहे हैं। हम लोग बाइ चान्स उनको बोल रहे हैं कि देखो ऐसा हो रहा है तो (वो कहते हैं) बाबा ने तो बोला है पूर्व जन्मों की रील घूम रही है। मेरा पाप कर्म आगे आ गया है। इसलिए मैं आजकल सवेरे नहीं उठता हूँ।
बाबा: नहीं उठता हूँ?
तीसरा जिज्ञासु: इसलिए सुबह नहीं उठ पा रहा हूँ। मेरे पाप कर्म सामने आ गए।
बाबाः तो तुमने पाप कर्म ही क्यों समझ लिया? तुम ये समझो न कि पुण्य कर्म उदय हो गया।
तीसरा जिज्ञासुः इसलिए, आ रहा है तब मैं नहीं उठ पा रहा हूँ। तब क्लास नहीं कर रहे हैं।
बाबाः तो अच्छे संकल्प करो ना। बुरे संकल्प क्यों करना?
तीसरा जिज्ञासुः बुरी रील घूम रही है इसलिए ऐसा हो रहा है।

Third student: Baba many opposite things are happening with relation to this very subject.
Baba: Why?
Third Student: Suppose someone is not making *purusharth* and we tell them by chance: look, it is happening like this (the act of not making *purusharth*), then (they say), 'Baba has already said [about it]. The *reel* of my past births is rotating. My sins have emerged. This is why I do not wake up in the morning these days.
Baba: Do not wake up?
Third Student: This is why I am unable to wake up in the morning. My sins have came in front of me (emerged in the reel).'
Baba: [Tell him:] why did you think them to be sins? Think that your noble deeds have emerged now.
Third student: [He says:] this is why... **[**My **s**ins] have emerged that is why I am unable to wake up. That is why I am unable to attend classes.
Baba: Then, create good thoughts, will you not? Why do you create bad thoughts?
Third student: [He says:] the reel [of bad deeds] is rotating. This is why it is happening like this.

समयः 01.00.20-01.04.00

जिज्ञासुः बाबा, मुरली में आता है ना तुम्हें परमधाम घर को याद करना है और घर में बाप को याद करना है।
बाबाः मुरली में आता है? (जिज्ञासु - हाँ) मुरली जिस समय की चली है उस समय की बात अब लागू कर सकते हैं? परमधाम के लिए तो बोला है तुम बच्चे परमधाम को इस सृष्टि पर उतार लेंगे। तो कौनसे परमधाम में कौनसे बाप को याद करना है?
जिज्ञासुः घर को याद करो, घर में बाप को याद करो।
बाबाः हाँ, हाँ। तुम बच्चे परमधाम को इस सृष्टि पर उतार लेंगे। तो घर कहाँ आ जाएगा?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासुः इस सृष्टि में आ जाएगा।

बाबाः इस सृष्टि में। फिर बाप कहाँ होगा?

जिज्ञासुः घर में। तो परमधाम यहीं होगा?

बाबाः कहाँ होगा?

जिज्ञासुः तो मन-बुद्धि से परमधाम जाएंगे। ये बोले हैं ना ये।

बाबाः वो जाएंगे बाद में। पहले तो संगठित रूप में यहाँ परमधाम की स्टेज बनेगी जहाँ सारी दुनिया आकर्षित होगी।

Time: 01.00.20-01.04.00
Student: Baba, it is mentioned in the murli, isn't it? You have to remember home, the Supreme Abode and you have to remember the Father in the home.
Baba: Is it mentioned in the murli? (Student: Yes.) The time when this murli was mentioned, can we apply that topic mentioned at this time? It has been said about the Supreme Abode that you children will bring the Supreme Abode down to this world. So, which Father should we remember in which Supreme Abode?
Student: Remember the home; and remember the Father in that home.
Baba: Yes, yes. You children will bring the Supreme Abode down to this world. So, where will the home come?
Student: It will come to this world.
Baba: It will come to this world. So, where will the Father be?
Student: At home. So, the Supreme Abode will be here itself?
Baba: Where else will it be?
Student: Then, it is said, 'we will go to the Supreme Abode through the mind and intellect', isn't it?
Baba: We will go there later on. First the *stage* of the Supreme Abode will be formed here in a collective form; the entire world will be attracted towards it.

जिज्ञासुः तो दूसरा परमधाम तो अभी यहाँ जहाँ बाप बैठा है वहाँ परमधाम हो गया।

बाबाः अभी नहीं है परमधम जहाँ बाप है। परमधाम तो दो ही जगह है। अभी जो भविष्य का परमधाम जो साकार सृष्टि पर होगा वो अभी है ही नहीं। वो तो संगठन जब इकट्ठा हो जाएगा माउंट आबू में तो बनेगा।

जिज्ञासुः बाबा जहाँ है वहाँ शिवालय है।

बाबाः वहाँ, जहाँ बाबा है वहाँ 500 करोड़ आत्माएं थोड़ेही इकट्ठी हुई पडी हैं ?

जिज्ञासुः नहीं अभी ये जगह शिवालय हो गया ना बाबा?

बाबाः शिवालय अलग बात है। परमधाम अलग बात है।

जिज्ञासुः परमधाम को शिवालय नहीं बोलते?

बाबाः क्यों? परमधाम में तो वहाँ अभी भी ढ़ेर सारी आत्माएं लटकी पड़ी हैं। वो उतर रही हैं। यहाँ क्या आत्माएं लटकी पड़ी हैं कोई?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Student: So now, the second Supreme Abode is here at the place where the Father is present.
Baba: It is not the Supreme Abode at the place where the Father is present now. The Supreme Abode is only at two places. The Supreme Abode of the future which will be in the corporeal world is not present now at all. That will be formed when the gathering collects at Mount Abu.
Student: The place where Baba is present is a *Shivaalay* (the house of Shiva).
Baba: Five billion souls have not gathered at the place where Baba is.
Student: Not that Baba, now this place has become *Shivaalay*, hasn't it?
Baba: *Shivaalay* is a different thing. The Supreme Abode is a different thing.
Student: Is the Supreme Abode not called *Shivaalay*?
Baba: Why? Numerous souls are still lingering there in the Supreme Abode. They are coming down [till now]. Are the souls lingering here?

जिज्ञासुः आपके पीछे लटकी है ना बाबा?
बाबाः हमारे पीछे कौनसी आत्माएं लटकी हैं? जिन्होंने ज्ञान उठा लिया है वो लटकी पड़ी हैं या कि सब लटकी पड़ी हैं?
जिज्ञासुः सबको पता नहीं है।
दूसरा जिज्ञासुः जिन्होंने ज्ञान लिया है।
बाबाः हाँ, जिन्होंने ज्ञान उठाया है वो लटकी पड़ी हैं।
जिज्ञासुः अभी परमधाम में बुद्धि ले जाते हैं तो वो सूरज चांद के पार...
बाबाः परमधाम में बुद्धि क्यों ले जाते हैं? क्यों जानबूझ करके शूद्र बन रहे हो? मुरली में बोल दिया कि मुझे परमधाम में याद करते हैं, ऊपर याद करते हैं वो हैं शूद्र सम्प्रदाय। शिवबाबा तो नीचे आया हुआ है।
तीसरा जिज्ञासुः बेसिक से जस्ट निकले हैं ना बाबा।
बाबाः बेसिक में बार-बार बुद्धि क्यों चली जाती है?
जिज्ञासुः नहीं, बाबा, वो दूसरों को समझाना पड़ता है ना। उनको उनकी बुध्दि घुमाने के लिए हमें मसाला चाहिए।

Student: Baba, they are lingering behind you, are they not?
Baba: Which souls are behind me? Are the souls who have grasped the knowledge lingering here or are all [the souls] lingering here?
Student: Everyone does not know [about the knowledge].
Second student: Those who have obtained the knowledge.
Baba: Yes, those who have obtained the knowledge are lingering [here].
Student: When we direct the intellect to the Supreme Abode situated beyond the Sun, the Moon now...
Baba: Why do you direct the intellect to the Supreme Abode? Why are you becoming a *shudra*[8] deliberately? It has been said in the murli that those who remember Me in the Supreme Abode, those who remember Me above belong to *shudra* community. Shivbaba has indeed come down.

[88] Untouchable; a member of the fourth and the lowest division of the Indo-Aryan society

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Third student: Baba, he has just come from the Basic knowledge.
Baba: Why does your intellect go in the Basic knowledge again and again?
Student: No Baba, we have to explain to others. So, we require some material to change their thoughts.

बाबाः दूसरों को समझाना पड़ता है। वो तुमसे डायरेक्ट प्रश्न करने लग पड़ेंगे। तुम तो कहते हो शिवबाबा इस दुनिया में आ चुका है। पतितों को पावन बनाने के लिए आ चुका है। फिर तुम ऊपर क्यों याद करते हो? शिवबाबा तुम्हारा भागता फिरता है क्या? एक तरफ कहते हो परमात्मा शिवबाबा सर्वव्यापी नहीं है। अभी तुम सर्वव्यापी बना रहे हो। परमधाम में भी बता रहे हो, यहाँ भी बता रहे हो। ये सब क्या चक्कर है? खुद ही पकड़े जाओगे ।
जिज्ञासुः बाबा कहीं मुरली में ऐसा आया है ना।
बाबाः मुरली में कहीं विरोधाभास नहीं आया है।
जिज्ञासुः तुम जहाँ याद करोगे मैं वहीं हाजिर हो जाऊँगा।
बाबाः ऐसा कुछ नहीं है।
जिज्ञासुः नहीं है?
बाबाः ना। इसका मतलब तुम लेट्रीन में याद करना शुरु कर दोगे तो लेट्रीन में आ जाएगा?

Baba: You have to explain to others? They will start questioning you directly. You say: Shivbaba has already come to this world. He has already come to purify the sinful ones. Then why do you remember [Him] above? Does your Shivbaba run here and there? On one side you say that the Supreme Soul Shivbaba is not omnipresent. And now you are making Him omnipresent. You say that He is present in the Supreme Abode as well as here. What is all this confusion? You yourself will be caught.
Student: Baba, it has been mentioned like this somewhere in the murlis, hasn't it?
Baba: There is no contradiction in the murli anywhere.
Student: I will be present wherever you remember Me.
Baba: There is nothing like this.
Student: Is it not so?
Baba: No. Does it mean that if you start remembering Him in the *latrine*, will He come in the *latrine*?

जिज्ञासुः बाथरूम में भी याद करो ऐसा माउंट आबू में बताया था।
बाबाः ये गलत बात है। अपनी भावना शुद्ध रखना चाहिए। शिवबाबा तो पत्थर ठिक्कर में प्रवेश भी नहीं करता है। शिवबाबा तो श्रेष्ठ है तो श्रेष्ठ में प्रवेश करेगा न कि भ्रष्ट में प्रवेश करेगा? ऐसे क्यों उसकी ग्लानि करते हो?
जिज्ञासुः नहीं बाबा, वो बोलते हैं ना महाविनाश काल में तो अचानक भूकम्प...
बाबाः ब्रह्माकुमारों की बातें फिक्स कर ली हैं बुद्धि में।
जिज्ञासुः वो तो है 14 उसमें रहे, वो तो फिक्स हो गई। उसको निकालने में टाईम लगेगा।
बाबाः इसलिए अभी उसको निकालो।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासुः वो निकालने में थोडा आपसे मसाला चाहिए बाबा ज्ञान का।
बाबाः मसाला क्या? वो वीसीडी आई हुई है। वो घर में रोज़ सुनो।
जिज्ञासुः सुन रहे हैं वो तो। लेकिन बाबा...
बाबाः शुद्धि हो जाएगी बुद्धि की।

Student: We were told at Mount Abu that we should remember [Him] even in the bathroom.
Baba: This is wrong. You should keep your feeling pure. Shivbaba does not enter in stones and lumps of soil at all. Shivbaba is elevated; so, will He enter an elevated one or will he enter an unrighteous one? Why do you defame Him like that?
Student: No Baba. It is said that sudden earthquakes will happen at the time of mega destruction...
Baba: You have [made] the words of the Brahmakumaris sit firmly in the intellect.
Student: I have been there for fourteen years, so that has firmly sat in the intellect. It will take time to be removed.
Baba: This is why, now, remove them.
Student: Baba, I require some material [of knowledge] from you to remove them.
Baba: What material? The VCDs are available. Listen to them at home every day.
Student: We are listening to them but Baba...
Baba: Your intellect will become pure. (Concluded)

……
Note: The words in italics are Hindi words. Some words have been added in the brackets by the translator for better understanding of the translation.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info